INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII	**Department: Hindi (2nd Lang)**	**Date of submission:**
Grammar	**Topic: संधि,पर्यायवाची,प्रत्यय**	**Note:**

संधि

संधि का अर्थ - संधि का शाब्दिक अर्थ है- मेल या जोड़ । जब दो वर्णों का मेल अत्यन्त निकटता के कारण होता है तब उनमें कोई-न-कोई परिवर्तन होता है और वही परिवर्तन संधि के नाम से जाना जाता है।

संधि की परिभाषा - दो वर्णों (स्वर या व्यंजन) के मेल से जो परिवर्तन होता है उसे संधि कहते हैं। जैसे - हिम + आलय = हिमालय

संधि विच्छेद- उन पदों को मूल रूप में अलग कर देना संधि विच्छेद कहलाता है । जैसे - विद्यालय = विद्या +आलय

संधि के भेद

संधि के तीन भेद होते हैं -

(1) स्वर संधि
(2) व्यंजन संधि
(3) विसर्ग संधि

(1) स्वर संधि - दो स्वरों से उत्पन्न विकार अथवा रूप-परिवर्तन को स्वर संधि कहते हैं । जैसे- विद्या + अर्थी = विद्यार्थी

स्वर संधि के पाँच भेद होते हैं -

(i) **दीर्घ संधि** **(ii) गुण संधि** **(iii) वृद्धि संधि** **(iv) यण संधि** **(v) अयादि संधि**

1 दीर्घ संधि - जब दो समान ह्रस्व या दीर्घ स्वरों का मेल होता है तो वे दीर्घ स्वर बन जाते हैं। इसे दीर्घ स्वर-संधि कहते हैं।

नियम 1 - ह्रस्व (अ) या दीर्घ (आ) के बाद किसी भी ढंग से अ या आ आए तो संधि करने पर 'आ' ही होगा | जैसे -

अ + अ = आ राम + अवतार = रामावतार

अ + आ = आ शिव + आलय= शिवालय

आ + अ = आ   लज्जा + अभाव= लज्जाभाव

आ + आ = आ   महा + आशय= महाशय

1 - निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए -

1 अत्र + अभाव =   अत्राभाव

2 भोजन + आलय =   भोजनालय

3 वेद + अंत =   वेदांत

4 स्व + अर्थ =   स्वार्थ

5 महा +आत्मा =   महात्मा

6 दया + आनंद =   दयानंद

7 अधिक + अंश =   अधिकांश

<u>नियम 2 -</u> ह्रस्व (इ)या दीर्घ (ई) के बाद किसी भी ढंग से इ या ई आए तो संधि करने के बाद 'ई' ही आएगी| जैसे -

इ + इ= ई   हरि + इच्छा = हरीच्छा

इ + ई= ई   गिरि + ईश= गिरीश

ई + इ= ई   मही + इंद्र = महींद्र

ई + ई= ई   पृथ्वी + ईश= पृथ्वीश

2 निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए -

1 अति + इव =   अतीव

2 कवि + ईश्वर= कवीश्वर

3 नदी + ईश = नदीश

4 रवि + ईश = रवीश

5 रजनी + ईश = रजनीश

6 नारी + इंद्र = नारींद्र

7 लक्ष्मी + इच्छा = लक्ष्मीच्छा

<u>नियम 3</u> ह्रस्व (उ)या दीर्घ (ऊ)के बाद किसी भी ढंग से उ या ऊ आए तो संधि करने पर 'ऊ' ही

होगा | जैसे

उ+उ= ऊ- भानु+उदय = भानूदय   उ+ऊ= ऊ- लघु+ऊर्मि = लघूर्मि

ऊ+उ= ऊ- वधू+उत्सव = वधूत्सव   ऊ+ऊ= ऊ- वधू+ऊर्जा = वधूर्जा

3 निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए -

1 सु + उक्ति = सूक्ति

2 गुरु + उपदेश = गुरूपदेश

3 भू +ऊर्जा = भूर्जा

4 साधू + उत्सव = साधूत्सव

5 भू + उद्धार = भूद्धार

6 लघु + उत्तर = लघूत्तर

7 सिंधु + ऊर्मि = सिंधूर्मि

2- गुण संधि

नियम 1 - ह्रस्व (अ) या दीर्घ (आ) के बाद किसी भी ढंग से इ या ई आए तो संधि करने पर 'ए' हो जाएगा | जैसे -

अ+इ=ए- नर+इंद्र= नरेंद्र   अ+ई=ए- नर+ईश= नरेश

आ+इ=ए- महा+इंद्र= महेंद्र   आ+ई=ए महा+ईश= महेश

4 निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए -

1 भारत + इंदु = भारतेंदु

2 सोम + ईश = सोमेश

3 स्व + इच्छा = स्वेच्छा

4 राज + इंद्र = राजेंद्र

5 परम + ईश्वर = परमेश्वर

6 सुर + ईश = सुरेश

7 उमा + ईश = उमेश

नियम 2 - ह्रस्व(अ) या दीर्घ (आ) के बाद किसी भी ढंग से उ या ऊ आए तो संधि करने पर 'ओ' हो जाएगा I जैसे -

अ+उ =ओ = ज्ञान + उपदेश= ज्ञानोपदेश   आ+उ=ओ = महा+उत्सव= महोत्स

अ+ऊ=ओ = जल+ऊर्मि= जलोर्मि   आ+ऊ=ओ = महा+ऊर्मि= महोर्मि

नियम 3- ह्रस्व (अ)या दीर्घ (आ) के बाद ऋ आए तो संधि करने पर 'अर्' हो जाएगा | जैसे -

अ+ऋ= अर्= देव+ऋषि = देवर्षि

आ+ऋ=अर्= महा+ऋषि = महर्षि

5- निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए -

1- सूर्य + उदय = सूर्योदय

2- महा + उत्सव = महोत्सव

3- लोक + उक्ति = लोकोक्ति

4- वीर +उचित = वीरोचित

5- पर + उपकार = परोपकार

6- मह + ऋषि = महर्षि

7- राजा +ऋषि = राजर्षि

6- निम्नलिखित शब्दों की संधि-विच्छेद कीजिए -

1 धर्मार्थ = धर्म +अर्थ

2 ज्ञानोपदेश = ज्ञान +उपदेश

3 मतानुसार = मत +अनुसार

4 सतीश = सती +ईश

5 शुभेच्छा = शुभ +इच्छा

6 चंद्रोदय = चंद्र +उदय

7 हितोपदेश = हित + उपदेश

पर्यायवाची

1- औरत= महिला, नारी

2- पंछी = पक्षी, खग

3- हृदय= उर, मन

4- हिमालय= नगपति, पर्वतराज

5- सोना= कनक,कंचन

6- सेना = दल, फ़ौज

7- साधु= संत, संन्यासी

8- समुद्र = सागर, सिंधु

9- शत्रु = अरि, दुश्मन

10- वसंत = ऋतुराज, मधुमास

प्रत्यय-

निम्नलिखित प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाइए

1- इया =दुखिया , मुखिया

2- नी = शेरनी, मोरनी

3- आवा= दिखावा, पहनावा

4- आलु= कृपालु, दयालु

5- क= लेखक, पाठक

6- पन= बचपन,लड़कपन

7- इक= दैनिक, सामाजिक

8- ईला= चमकीला, रंगीला

9- मय= सुखमय, जलमय

10- एरा= चचेरा, ममेरा

==